पाठ ५

1. सब स्वर्गदूत सब केने से आएल रहलन ?

- सब स्वर्गदूत लोगके परमेश्वरके आदि युगसे सृष्टि होअल बा ।

1. जब परमेश्वर स्वर्गदूत लोग सृष्टि करलने तब परमेश्वर स्वर्गदूत लोगके मांस और खुन देले बारन् ?
* नाही‚ परमेश्वर स्वर्गदूत लोगके आत्मा स्वरूप सृष्टि करले रहलन् ।
1. परमेश्वर काहेला स्वर्गदूत लोगके सृष्टि करले ?
* परमेश्वर स्वर्गदूत लोगके अपने प्रेम करके खातिर सृष्टि करले बारन ।
* परमेश्वर स्वर्गदूत लोगके अपने प्रति आज्ञाकारी होहके खातिर सृष्टि करले बारन् ।
* परमेश्वर स्वर्गदूत लोगके अपन सेवा करके खातिर सृष्टि करले बारन् ।
1. का परमेश्वर असल और खराब स्वर्गदूतके सृष्टि करले बारन् ?
* परमेश्वर सब स्वर्गदूत लोगके केवल असल सृष्टि करले बारन् ।
1. परमेश्वर कतना स्वर्गदूत लोगके सृष्टि करले बारन् ?
* परमेश्वर बहुत स्वर्गदूत लोगके सृष्टि करलन् ‍और हमनी लोग सबके गणना नैखे कर सकम ।
1. आदि युगमे ऊ सब स्वर्गदूत लोग केने बसोबास करत रहल ?
* स्वर्गमे परमेश्वर सँग ।
1. परमेश्वर बहुत ज्यादा बुद्धि और सुन्दरताके साथ सृष्टि करले रहलन उह स्वर्गदूतके नाम का रहलन ?
* लुसिफर ।
1. परमेश्वर लुसिफरके असल वा खराब कैसन सृष्टि करले रहलन ?
* असल ।
1. आदि युगमे लुसिफरके का होगेल ?
* लुसिफर अपन बुद्धि और सुन्दरता देखकर घमण्डी बनगेल ।
* लुसिफर घमण्डी बनगेल और परमेश्वरके सिंहासनमे बठके सोच रखलन् ।
1. दुष्ट काम करेवाला पहिल आदमी कोन रहलन ?
* लुसिफर ।
1. का परमेश्वर मालुम रहलन कि लुसिफर परमेश्वरके सिंहासनमे कब्जा करके चाहत मे रहलन ?
* हाँ
1. का परमेश्वर लुसिफरके द्वारा अपन सिंहासन कब्जा होइके देल ?
* नाही ।
1. काहेला कि लुसिफर पाप करेवाला पहिल व्यक्ति रहलन् तह परमेश्वर लुसिसफके नाम परिवर्तन करदेलन‚ लुसिफरके नयाँ नाम का रहलन ?
* शैतान
1. शैतानका नामके अर्थ का होकेला ?
* शैतान नामके अर्थ शत्रु होकेला ।
1. दुष्ट काम करले के बाद परमेश्वर शैतानके कौन सजाय देलन ?
* परमेश्वर शैतानसँग बहुत गुस्सा होगइल और शैतानके स्वर्गसे बहिस्कार करदेलन ।
1. काहेला कि शैतानके पाछु जाइवाला स्वर्गदूत लोग परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करलन और परमेश्वर हउ स्वर्गदूत लोगके से हो नाम परिवर्तन करदेलन‚ शैतानके पाछु जाइवाल स्वर्गदूत लऊके नयाँ नाम का बा ?
* सहयोगी शैतान लोग ।
1. शैतानके पाछु जाइवाला सहयोगी शैतान लोग परमेश्वर कौन सजाय देलन ?
* परमेश्वर सहयोगी शैतान लोगसे बहुत ज्यादा गुस्सा होगेल और सहयोगी शैतान सबके स्वर्गसे वहिस्कार करदेलन ।
1. परमेश्वर शैतान और ओकर सहयोगी शैतानके अउर कोन कोन सजाय देलन ?
* परमेश्वर शैतान और ओकर सहयोगी शैतानके अन्तिम दण्डके खातिर डरलागेवाला ठाउँ तैयार करलन ।
1. आत्मिक दण्डके खातिर बनल उह डर लागेवाला ठाउँके नाम कथी बा ?
* आत्मिक आगके पोखरी ।
1. शैतान और ओकर सहयोगी शैतान अभि केने बैठेलान् ?
* शैतान और ओकर सहयोगी शैतान अभि पृथ्वीमे बैठल बा ।
1. शैतान और ओकर सहयोगी शैतान अभि का करथ होलन ?
* हउ लोग दिनरात लगाके परमेश्वरके कामके विरुद्धमे लडाइँ करेला ।
* आइए परमेश्वरके पुस्तकके पहिल वचनके फिर से पढल जाइ ।

आइए उत्पत्ति १:१ पद पढल जाइ

१ आदि युगमे परमेश्वर आकाशमण्डल और पृथ्वीके सृष्टि करले रहलन ।

* आदि युगके मलतब का बा ?
* आदि युग के मलतब उ समय बा जब पहिल परमेश्वर हइ सबथोक के सृष्टि निर्माण गरले रहलन ।
* आदि युग मे संसारमे रहल सबथोकके सृष्टि कौन करलेन ?
* परमेश्वर ।
* संसारमे भेल सब थोकके आदि युगमे परमेश्वरद्वारा सृष्टि करल बा ।
* परमेश्वर सब थोक सृष्टि करसे पहेले संसार का रहलन ?
* किछु ना रहलन‚ शून्ना रहलन ।
* अगर संसारमे किछु न रहलन तब सृष्टि करके खातिर परमेश्वर कौन चिज के प्रयोग करलन ?
* पृथ्वी और आकाशके सृष्टि करेके खातिर परमेश्वर कौन चिजके प्रयोग करलन ?
* सूर्य चन्द्र और तारागणके सृष्टि करेके खातिर परमेश्वर कौन चिजके प्रयोग करलन ?
* वृक्ष सब ना होतिइ तब अपने मरद लोग घर बनावे सकथ रहनी ?
* नाही ।
* अपने मरद लोग शून्नामे घर बनाव सकम ?
* नाही ।
* माइट ना रहथ तब अपने जनानी लोग भाँडावर्तन बनावे सकथ रहनी ?
* नाही ।
* अपने जनानी लोग शून्नामे घर बनावे सकम ?
* नाही ।
* पोआर नैखे रहत तब अपने बालक लोग खेलौना बनावे सकथ रहनी ?
* नाही ।
* अपने बालक लोग शून्नामे खेलौना बनावे सकम ?
* नाही ।
* यदि संसारमे किछु चिज ना होतिएइ तब सृष्टि बनावेके खातिर परमेश्वर कौन चिजके प्रयोग करल जतिएइ ।
* किछु चिज प्रयोग नाहोअल ।
* तब कैसे परमेश्वर सृष्टिके निर्माण करलन ?
* परमेश्वर शून्नासे संसारके सृष्टि निर्माण करलन ।
* पिता परमेश्वर पुत्र परमेश्वर पवित्र आत्मा परमेश्वर शून्यसे संसारके सृष्टि निर्माण करलन ।
* शून्नासे स्वर्ग और पृथ्वीके सृष्टि करेके खातिर परमेश्वर कैसे सक्षम रहलन ?
* परमेश्वर कैसे शून्नासे सब चिजके सृष्टि करे सक्षम रहलन ?
* परमेश्वर सर्वशक्तिमान बारन ।
* परमेश्वरके शक्ति कहियो समापत ना होइ ।
* परमेश्वरके शक्ति सनातन से सनातन तक रहैले ।
* का परमेश्वरके शक्तिके कोनो सीमा बा ?
* नाही ।
* परमेश्वरके शक्तिके कोनो सीमा नैखे ।
* परमेश्वरके शक्तिके कोनो अन्त नैखे ।
* परमेश्वर ना करेवाला हइसन कोनो चिज नैखे ।
* परमेश्वर सब चिज कर सकैले ।
* परमेश्वर शून्नासे सब संसारके निमार्ण करलन ।
* का कोनो परमेश्वरसे ज्यादा शक्तिशाली बा ?
* नाही ।
* का शैतान परमेश्वरसे ज्यादा शक्तिशाली बा ?
* नाही ।
* का शैतानके सहयोगी शैतान लोग परमेश्वरसे ज्यादा शक्तिशाली बा ?
* नाही ।
* का मनुष्य लोग परमेश्वरसे ज्यादा शक्तिशाली बा ?
* नाही ।
* का परमेश्वर ना करसके हइसन कोनो चिज बा ?
* नाही ।
* परमेश्वर अपन चाहेवाला जौनो काम कर सकैले ।
* परमेश्वर अपन सब चाहेवाला सब काम कर सकैले ।
* शून्नासे सब चिज कैसे सृष्टि होइ से जानकारी परमेश्वरके कैसे मालुम चलल ?
* सब चिज कैसे सृष्टिमे निर्माण होइ परमेश्वरके कोनो जन सिखेले रहलन ?
* अपने मरद लोग खुदके बेटा लोगके मकइ कैसे रोपैले से सिखावतानी काहेला कि जवान बेटा लोगके मकइ रोपेके ज्ञान नारहैले ।
* अपने जनानी लोग खुदके बेटी लोगके खाना कैसे पकावेले सिखवतनी काहेलाकी जवान बेटी लोगके खाना पकावेके ज्ञान नारहैले ।
* सब चिज कैसे सृष्टि करलजाइ कहके परमेश्वरके कौन सिखेलन ?
* नाही ।
* काहेला कोनो परमेश्वरके ना सिखाइलन ?
* काहेला कि आदि युगमे परमेश्वरके सिखावेके खातिर कोनो नारहलन ।
* यदि आदि युगसे पहिले परमेश्वर एकमात्र व्यक्ति निवासी रहलन तब हुनकाके सिखावेवाला ओने कोनो नारहलन ।
* तह परमेश्वरके सिखावेके निम्ति ककरो जरूरत नारहलइ ।
* काहे परमेश्वरके सिखावेके निम्ति कोनो जरूरत नारहलइ ?
* काहेला कि परमेश्वरके सब चिजके ज्ञान रहलइ ।
* परमेश्वरके बुद्धिके अन्त नाहइ ।
* परमेश्वरके बुद्धि सनातन से सनातन तक होकेलइ ।
* परमेश्वरके बुद्धिके कोनो सीमा बा ?
* नाही ।
* परमेश्वरके बुद्धिके कोनो सीमा नैखे ।
* परमेश्वरके बुद्धिके कोनो अन्त नैखे ।
* परमेश्वरके थाहा ना भेल कोनो अइसन चिज नैखे ।
* परमेश्वरके सब कुरा मालुक बा ।
* परमेश्वर सब संसारके सृष्टि शून्नासे करले बारन ।
* परमेश्वरसे ज्यादा बुद्धिमान कोनो बा ?
* नाही ।
* का शैतान परमेश्वर से ज्यादा बुद्धिमान बा ?
* नाही ।
* का शैतानके सहयोगी शैतान लोग परमेश्वरसे ज्यादा बुद्धिमान बा ?
* नाही ।
* का मनुष्य लोग परमेश्वरसे ज्यादा बुद्धिमान बा ?
* नाही ।
* परमेश्वरके सब थोकके बारेमा सब चिज मालुम बा ।
* तैस हमनी लोगके परमेश्वरके हर वचनके सुनेला चाहि ।